taken by the Government on the recommendations contained in the Eighth Report of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Rural Development on the Demands for Grants (2015-16), pertaining to the Ministry of Panchayati Raj.

Status of implementation of the recommendations contained in the Twentieth Report of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Finance

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PLANNING AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE(RAO INDERJIT SINGH): Sir, I make a statement regarding the Status of implementation of recommendations contained in the Twentieth Report of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Finance on the subject 'Planning Process-A Review'.

Status of implementation of the recommendations contained in the First Report of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Labour

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF LABOUR AND EMPLOYMENT (SHRI BANDARU DATTATREYA): Sir I make a statement regarding the Status of implementation of the recommendations contained in the First Report of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Labour on the Demands for Grants (2014-15), of the Ministry of Labour and Employment.

DEMAND FOR DISCUSSION UNDER RULE - 267

श्री नरेश अग्रवाल (उत्तर प्रदेश)ः उपसभापति जी, मेरा रूल 267 के अंतर्गत नोटिस है। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: A notice under Rule 267 was, of course, given by Shri Naresh Agrawal. But the Chairman has not admitted it. *...(Interruptions)...*

श्री नरेश अग्रवालः उपसभापति जी, कल नागौर में आरक्षण पर आरएसएस की जो मीटिंग हुई है, उसमें आरक्षण समाप्त करने की बात हुई है। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Your notice is there. But it has not been admitted *...(Interruptions)...* A notice, under Rule 267, was also there from Shri Pramod Tiwari. Both have not been admitted. *...(Interruptions)...*

प्रो. राम गोपाल यादव (उत्तर प्रदेश)ः उपसभापति जी, बहुत दिनों से प्लानिंग चल रही है ...**(व्यवधान)**... बिहार में भी आरक्षण की इस तरह की बात हुई ...**(व्यवधान)**... यह आरक्षण समाप्त करने की बहुत गंभीर साजिश है। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The Chairman has not admitted. ...*(Interruptions)*...

SHRI TAPAN KUMAR SEN (West Bengal): Sir, it is a very important issue. ...*(Interruptions)*...

श्री नरेश अग्रवालः आप सुने बिना कैसे कैंसिल कर सकते हैं? ...**(व्यवधान)**... आप इसको सुन लीजिए ...**(व्यवधान)**... सदन के सामने रख दीजिए ...**(व्यवधान)**... अगर सदन एग्री करता है तो ठीक है। ...**(व्यवधान)**... नहीं करता है तो इसको टर्न डाउन कर दीजिए। ...**(व्यवधान)**... कल नागौर में आरएसएस की जो मीटिंग हुई है ...**(व्यवधान)**... उस मीटिंग में आरएसएस ने एक प्रस्ताव पास किया है कि क्रीमीलेयर वाले आरक्षण छोड़ दें ...**(व्यवधान)**... यह काम एक सिस्टमेटिक तरीके से चल रहा है। ...**(व्यवधान)**... बिहार के ...**(व्यवधान)**... में भी ...**(व्यवधान)**... यह बात कही थी। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is a private organisation. Why are you worried about that? ...*(Interruptions)*...

श्री नरेश अग्रवालः उपसभापति जी, यह सरकार भी ...**(व्यवधान)**... आरएसएस का पार्ट है ...**(व्यवधान)**... यह सरकार ...**(व्यवधान)**... आरक्षण समाप्त कर रही है ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It is a private organisation. Why are you worried about that? ...*(Interruptions)*...

प्रो. राम गोपाल यादवः उपसभापति जी, आरएसएस और इस सरकार में कोई फर्क नहीं है। ...**(व्यवधान)**... जो आरएसएस कहती है, वही गवर्नमेंट करती है ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is your view only. ...*(Interruptions)*... That is your view only. ...*(Interruptions)*...

प्रो. राम गोपाल यादवः इसलिए हम कहते हैं कि यह आरक्षण को समाप्त करने की साजिश है। ...**(व्यवधान)**... यह बहुत गंभीर साजिश है। ...**(व्यवधान)**...

सुश्री मायावती (उत्तर प्रदेश)ः माननीय उपसभापति जी, आरक्षण के बारे में ...**(व्यवधान)**... समय-समय पर ...**(व्यवधान)**... जब से बीजेपी के नेतृत्व में सरकार बनी है ...**(व्यवधान)**... बीजेपी और आरएसएस रिज़र्वेशन को लेकर ...**(व्यवधान)**... जो किस्म-किस्म की बयानबाज़ी कर रहे हैं ...**(व्यवधान)**... खास तौर से जो कल नागौर में आरएसएस का जो बयान आया है ...**(व्यवधान)**... यह आरक्षण संपन्न लोगों को नहीं मिलना चाहिए ...**(व्यवधान)**... हम चाहते हैं कि यह सरकार आरक्षण के मामले में अपनी स्थिति स्पष्ट करे। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now listen, please. ...*(Interruptions)*... In any case, ...*(Interruptions)*... Let me listen to the Minister first. Mr. Naqvi wants to say something. ...*(Interruptions)*... The Minister is reacting. ...*(Interruptions)*... Let us listen to the Minister. ... *(Interruptions)*...

SHRI NARESH AGRAWAL: We will only listen to the Leader of the House. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Kumari Mayawatiji, please listen to the Minister. ...*(Interruptions)*... Mr. Naresh Agrawal, please listen to the Minister. ...*(Interruptions)*...

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदी कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुख़्तार अब्बास नक़वी)ः ... सर आरक्षण के बारे में जो कहा जा रहा है ...**(व्यवधान)**... हमारी सरकार और हमारी पार्टी का बिल्कुल स्पष्ट मत है कि आरक्षण रहना चाहिए। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Let us listen to the Minister.

श्री मुख़्तार अब्बास नक़वीः संघ ने आरक्षण को मजबूत करने की बात कही है ...**(व्यवधान)**... आरक्षण को खत्म करने की बात नहीं कही है। ...**(व्यवधान)**... सर, एक और महत्वपूर्ण मुद्दा है ...**(व्यवधान)**... कल टेलीविजन चैनल्स और समाचार-पत्रों में ऑनरेबल लीडर ऑफ दि अपोजिशन का एक बयान आया है। ...**(व्यवधान)**... उस बयान में उन्होंने आरएसएस की तुलना आईएसआईएस के साथ की है ...**(व्यवधान)**... यह ग्रैंड ओल्ड पार्टी का ब्रैंड न्यू सेक्यूलर फॉमूर्ला है ...**(व्यवधान)**... यह ग्रैंड ओल्ड पार्टी का ब्रैंड न्यू सेक्यूलर फॉर्मूला ...**(व्यवधान)**... कि आतंकवादियों को महिमामंडित करना ...**(व्यवधान)**... आतंकवादियों को ...**(व्यवधान)**... राष्ट्रवादियों पर हमला, यह नहीं चलेगा ...**(व्यवधान)**... इसलिए कांग्रेस पार्टी को माफी मांगनी चाहिए ...**(व्यवधान)**... उन्होंने जिस तरह से ...**(व्यवधान)**... आरएसएस को आईएसआईएस जैसे आतंकवादी संगठन के साथ जोड़ा है। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: In any case, the matter has been raised here. Let me listen to the Minister as to what he has to say. After that, you can raise. ...*(Interruptions)*... उसके बारे में ...**(व्यवधान)**... क्या बोलना है? ...**(व्यवधान)**...

श्री मुख़्तार अब्बास नक़वीः उपसभापति जी, आरक्षण के बारे में हमारी पार्टी ...**(व्यवधान)**... हमारी सरकार बार-बार स्पष्ट कर चुकी है कि आरक्षण को हटाने का ...**(व्यवधान)**... सवाल ही पैदा नहीं होता। ...**(व्यवधान)**... जो दबे हैं ...**(व्यवधान)**... जो पिछड़े तबके हैं ...**(व्यवधान)**... उनके लिए जो आरक्षण की व्यवस्था है ...**(व्यवधान)**... वह थी और रहेगी। ...**(व्यवधान)**... जहां तक आरएसएस का सवाल है ...**(व्यवधान)**... आरएसएस ने भी आरक्षण को मजबूत करने की बात कही है। ...**(व्यवधान)**... आरक्षण को खत्म करने की बात नहीं कही है ...**(व्यवधान)**... अगर आपको उनका बयान समझ में नहीं आया ...**(व्यवधान)**... तो हमें लगता है कि हम उस पर कुछ नहीं कर सकते हैं। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापतिः क्यों समझ में नहीं आया? ...**(व्यवधान)**...

श्री मुख़्तार अब्बास नक़वीः दूसरी चीज़ ...**(व्यवधान)**... जो महत्वपूर्ण है ...**(व्यवधान)**... लीडर ऑफ दि अपोजिशन यहां बैठे हुए हैं। ...**(व्यवधान)**... कल उनका एक बयान आता है ...**(व्यवधान)**... टेलीविज़न पर ...**(व्यवधान)**... मैंने बता दिया है ...**(व्यवधान)**... कल बयान आता है ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापतिः सुनिए, सुनिए ...(व्यवधान)...

श्री मुख़्तार अब्बास नक़वीः जिस चैनल पर कहा गया है कि आरएसएस और आईएसआईएस एक है ...(व्यवधान)... यह बयान कांग्रेस पार्टी की तरफ से आया है ...(व्यवधान)... यह ग्रैंड ओल्ड पार्टी का ब्रैंड न्यू सेक्युलर फॉर्मूला है कि आतंकवादियों को फूलों का गमला और राष्ट्रवादियों पर हमला। ...(व्यवधान)... यह ग्रैंड ओल्ड पार्टी का एक ब्रैंड न्यू सेक्यूलर फॉर्मूला है, इसलिए हमारी मांग है कि कांग्रेस पार्टी और ऑनरेबल लीडर ऑफ दि अपोजिशन देश से माफी मांगें, क्योंकि उन्होंने एक ऐसी बात कही है, जिससे देश में बेचैनी है, देश में आक्रोश है और देश में गुस्सा है। ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Do you want to say something, Mr. Leader of the Opposition? *...(Interruptions)...*

SHRI NARESH AGRAWAL: Sir, *...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I will call you after the Leader of the Opposition. Let me listen to him.

श्री नरेश अग्रवालः सर, आप हम लोगों को समय नहीं दे रहे हैं। ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Nareshji, the Minister has mentioned the name of the Leader of the Opposition and made an allegation. Naturally, the Leader of the Opposition wants to reply; let me listen to him. उसके बाद आपको भी समय मिलेगा। ...(व्यवधान)... All of you are talking together. *...(Interruptions)...* रिज़र्वेशन के बारे में he has given an assurance. Please listen. *...(Interruptions)...* रिज़र्वेशन के बारे में he has given an assurance to the House that it will not be reconsidered. What else do you want? *...(Interruptions)...* That is okay, *...(Interruptions)...* After the Leader of the Opposition, please. *...(Interruptions)...* Firstly, please allow the Leader of the Opposition. *...(Interruptions)...*

प्रो. राम गोपाल यादवः सर ...(व्यवधान)...

सुश्री मायावतीः सर ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Ram Gopal Yadavji, I will call you after the Leader of the Opposition. Kumari Mayawati, I will call you too after the Leader of the Opposition. *...(Interruptions)...* I said that I will call Ram Gopal Yadavji. Please sit down. *...(Interruptions)...* मैं दोनों को बुलाऊंगा। ...(व्यवधान)...

श्री नरेश अग्रवालः सर, क्या आप इसके बाद हमें बोलने का मौका देंगे? ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापतिः हां।

विपक्ष के नेता (श्री गुलाम नबी आज़ाद): माननीय डिप्टी चेयरमैन साहब ...(व्यवधान)...

†قائد حزب اختلاف (جناب غلام نبی آزاد) : مانئے ڈپٹی چیئرمین صاحب ۔(مداخلت)۔

श्री उपसभापतिः कृपया आप लोग बैठिए। आप लोग सुनिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री गुलाम नबी आज़ादः चूंकि आप लोगों ने मुद्दा उठाया है, इसलिए आप सुन लीजिए न। ...**(व्यवधान)**...

†جناب غلام نبی آزاد : چونکہ آپ لوگوں نے مدعا اٹھایا ہے، اس لئے آپ سن لیجئے نا ۔(مداخلت)۔

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Let us listen to what he is going to say. ...*(Interruptions)*... कृपया आप लोग बैठिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री गुलाम नबी आज़ादः या तो मुद्दा उठाइए नहीं, अगर उठाया है, तो कृपया आप सुनिए। ...**(व्यवधान)**...

†جناب غلام نبی آزاد : یا تو مدعا اٹھائیے نہیں، اگر اٹھایا ہے، تو مہربانی کرکے آپ سنئے ۔(مداخلت)۔

श्री उपसभापतिः कृपया आप लोग बैठिए, आप लोग सुनिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री गुलाम नबी आज़ादः माननीय डिप्टी चेयरमैन साहब, माननीय नक़वी साहब ने यहां पर मुद्दा उठाया है, मैं उनका बहुत धन्यवाद करता हूं और शायद सबसे ज्यादा सुनने के लिए मेरे दोस्त, रविं शंकर प्रसाद जी बेकरार हैं। ...**(व्यवधान)**...

†جناب غلام نبی آزاد : مانئے ڈپٹی چیئرمین صاحب، مانئے نقوی صاحب نے یہاں پر مدعا اٹھایا، میں ان کا بہت دھنیواد کرتا ہوں اور شاید سب سے زیادہ سننے کے لئے میرے دوست، روی شنکر پرساد جی بے قرار ہیں ۔(مداخلت)۔]

संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री रवि शंकर प्रसाद)ः हम तो चाहते हैं कि आप माफी मांगें। ...**(व्यवधान)**... आपने यह क्या कर दिया? ...**(व्यवधान)**... आपसे यह उम्मीद नहीं थी। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay; please listen to him. ...*(Interruptions)*...

श्री रवि शंकर प्रसादः गुलाम नबी आज़ाद जी, आपसे यह उम्मीद नहीं थी, आपने यह क्या कह दिया? ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Ravi Shankar Prasad, please listen to the Leader of the Opposition. The floor is given to the Leader of the Opposition. ...*(Interruptions)*... कृपया आप लोग बैठिए। ...**(व्यवधान)**... ट्रेज़री बेंचेज, कृपया आप लोग बैठिए। ...**(व्यवधान)**... अपोज़िशन बेंचेज़, कृपया आप लोग भी बैठिए। ...**(व्यवधान)**... कृपया आप लोग सुनिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री गुलाम नबी आज़ादः अगर निन्दा करने की हिम्मत है, तो जवाब सुनने की हिम्मत भी रखिए। ...**(व्यवधान)**... यह intolerance, जो आप बाहर करते हैं, वही intolerance आप लोग इस सदन के

†Transliteration in Urdu script.

अंदर भी कर रहे हैं। ...(**व्यवधान**)... जो intolerance चौबीस घंटे आप बाहर करते हैं, उसी intolerance का एक दृश्य आप यहां भी दिखा रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

†جناب غلام نبی آزاد: اگر ننگا کرنے کی ہمت ہے، تو جواب سننے کی ہمت بھی رکھئے —(مداخلت)— یہ intolerance جو آپ باہر کرتے ہیں، وہی intolerance آپ لوگ اس سدن کے اندر بھی کر رہے ہیں intolerance جو intolerance چوبیس گھنٹے آپ باہر کرتے ہیں اسی intolerance کا ایک منظر آپ یہاں بھی دکھا رہے ہیں —(مداخلت)—

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Smt. Viplove, please sit down. ...*(Interruptions)*... Order please. ...*(Interruptions)*... It is our practice in the House to listen to the hon. Leader of the Opposition. Please sit down. ...*(Interruptions)*...

श्री के.सी. त्यागीः सर ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, Mr. K.C. Tyagi, please sit down. I am not allowing you. ...*(Interruptions)*...

श्री के.सी. त्यागीः सर, नेता प्रतिपक्ष को ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापतिः त्यागी जी, कृपया आप बैठिए। ...(**व्यवधान**)... What Mr. K.C. Tyagi says will not go on record. Please sit down, Mr. K.C. Tyagi.

श्री के.सी. त्यागीः *

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The floor is given to the Leader of the Opposition. ...*(Interruptions)*...

श्री गुलाम नबी आज़ादः बीजेपी के लिए इनको छोड़ कर सब आतंकवादी हैं। ...(**व्यवधान**)... जो बीजेपी के नहीं हैं, आरएसएस के नहीं हैं, वे सब आतंकवादी हैं। ...(**व्यवधान**)...

†جناب غلام نبی آزاد: بی جے پی کے لئے ان کو چھوڑ کر سب آتنک وادی ہیں —(مداخلت)— جو بی جے پی کا نہیں ہے، آر ایس ایس کا نہیں ہے، وہ سب آتنک وادی ہیں —(مداخلت)—

श्री उपसभापतिः कृपया आप लोग बैठिए। ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please. ...*(Interruptions)*...

श्री गुलाम नबी आज़ादः माननीय डिप्टी चेयरमैन, सर, यह मेरी स्पीच की सीडी है। ...(**व्यवधान**)... मैं माननीय लीडर ऑफ दि हाउस से गुज़ारिश करूंगा और यह सीडी उनको दूंगा। ...(**व्यवधान**)... टेबल पर तो मैं रखूंगा ही, लेकिन उनको अलग से भी दूंगा, या फिर वे टेबल से ही इसे ले लें और अपने कमरे में जाकर हमारे बीजेपी के सदस्यों और मंत्रियों समेत, रवि शंकर प्रसाद जी समेत इस सीडी को सुन लें। ...(**व्यवधान**)... रवि शंकर प्रसाद जी को सुना दें। ...(**व्यवधान**)...

---

†Transliteration in Urdu script.

*Not recorded.

[श्री गुलाम नबी आज़ाद]

†قائد حزب اختلاف (جناب غلام نبی آزاد) : مانینے ڈپٹی چیئرمین سر، یہ میری اسپیچ کی سی ڈی ہے – (مداخلت) – میں مانینے لیڈر آف دی ہاؤس سے گزارش کرونگا اور یہ سی ڈی ان کو دونگا۔ (مداخلت) – ٹیبل پر تو میں رکھوں گا ہی، لیکن ان کو الگ سے بھی دونگا یا پھر یہ ٹیبل سے ہی اسے لے لیں اور

اپنے کمرے میں جاکر ہمارے بی جے پی کے ممبروں اور منتریوں سمیت، روی شنکر پرساد جی سمیت اس سی ڈی کو سن لیں – (مداخلت) – روی شنکر پرساد جی کو سنا دیں۔ (مداخلت) –

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please. ...*(Interruptions)*...

श्री गुलाम नबी आज़ादः जो इस सीडी में और जो मैं पढ़ रहा हूं, अगर इसमें कुछ गलत लिखा हो, तो रवि प्रसाद जी, आप कल हमारे खिलाफ ...**(व्यवधान)**... प्लीज़, एक मिनट ...**(व्यवधान)**... आप कल हमारे खिलाफ प्रिविलेज मोशन ले आइए। मैं यह पहले ही बता रहा हूं, इसमें जो है, वह मैं पढ़ रहा हूं। मैं पूरी स्पीच नहीं पढ़ रहा हूं, लेकिन मुझे सिर्फ दो पेज पढ़ने की इजाज़त दीजिए, क्योंकि अगर अगला और पिछला पेज नहीं पढ़ेंगे, तो फिर वही बात होगी, जैसे एक टीवी चैनल सिर्फ एक लाइन पकड़कर पूरे देश में उबाल खड़ा करता है। इसीलिए इससे एक पेज पहले का और एक पेज बाद का पढ़ना बहुत जरूरी है। ...**(व्यवधान)**... पूरी स्पीच पढ़ने के लिंए एक घटा चाहिए, मैं उसकी सीडी आपको दे रहा हूं।

"भाइयों, आज जैसा मैंने शुरू में कहा..." इसमें जब आप 'का', 'की' बोलते हैं, तो थोड़ा गलत हो जाता है, कहीं पर 'का' की जगह 'कि' लग जाता है। मैं उसका वर्बेटिम पढ़ रहा हूं। जैसे मैंने वहां कहा था, वैसे ही इसे खिने की कोशिश की है। "...आज जैसा मैंने शुरू में कहा, बहुत मुश्किल दौर से हम गुज़र रहे हैं और आज की इस जमीयत उलेमा-ए-हिंद की तारीख़ी कॉन्फरेंस के इस स्टेज से मैं आपको मुबारकबाद देना चाहता हूं। मैं हिन्दोस्तान के उन हिन्दू भाइयों को, जो चाहे जज हों, रिटायर्ड जज हों, पत्रकार हों, हिन्दी, अंग्रेज़ी या उर्दू के लिखने वाले हों, चाहे वे कुछ चंद टेलिविज़न चैनल हों।" मैं अपने लफ्ज़ों को फिर से दोहराता हूं, यहां मैं 'चंद' लफ्ज लगा रहा हूं। "...चंद टेलिविज़न के ऐडिटस हों, जिनको सरकार की तरफ से निकाला जाता है, एक चैनल या दूसरे चैनल से, क्योंकि वे सेकुलर और सेकुलरिज्म की बात करते हैं। मैं एन ऐंकर्स को बधाई देता हूं, जो इस सरकार के होने के बावजूद भी लड़ाई लड़ रहे हैं और नौकरी से बरखास्त होना मंजूर करते हैं, लेकिन अपने रास्ते को छोड़ना नहीं चाहते हैं। मैं उन हिन्दू भाइयों को भी मुबारकबाद देता हूं, इख़तिलाफ के बाद जिन्होंने अपने एवार्ड वापस किए, चाहे ज़ाती तौर पर आपको और हमें उनसे बात करने का मौका न मिला हो, लेकिन क़ौमी यकजेहती के इस स्टेज से शायद उनके इस काम के लिए कोई ऐसा मंच नहीं हो सकता। जो हिन्दुस्तान के सेकुलरिज्म के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं, अगर उसकी हम सराहना न करें, तो शायद हम इंसाफ नहीं कर सकते हैं। वे भी एक तरह की कुरबानी देते हैं।"

"मेरे भाइयों, आज हिन्दू और मुसलमान की लड़ाई हिन्दुस्तान में नहीं है।" मैं रिपीट करता हूं, "...मेरे भाइयों, आज हिन्दू और मुसलमान की लड़ाई हिन्दुस्तान में नहीं है। कौन कहता है कि इस मुल्क़ में हिन्दू और मुसलमान की लड़ाई है? मौलाना...", मौलाना माने, मौलाना अर्शद मदनी, जो चेयरमैन हैं, उनकी तरफ इशारा करके मैंने कहा, "मौलाना हमेशा कहते हैं कि यह नज़रियात की

†Transliteration in Urdu script.

लड़ाई है।..." नजरियात means ideology. यह नजरियात की लड़ाई है, यानी ideology की लड़ाई है। "सोच की लड़ाई है। हम उस बोसीदा..." now I am talking about ideology, "हम उस बोसीदा सोच के खिलाफ हैं, वह हिन्दू की बोसीदा सोच हो, सिख की बोसीदा सोच हो, वह मुसलमान की ही बोसीदा सोच ही क्यों न हो। हम देखते हैं, मुसलमानों में भी जो मुसलमान आज दुनिया में मुल्कों की तबाही और बरबादी का बाईस बने हैं, अगरचे उनके पीछे कुछ ताकतवर मुमालिक हैं, लेकिन मुसलमान इसमें क्यों शामिल हो रहे हैं?

मुसलमान क्यों? मैंने आरएसएस का नहीं बताया कि उसमें क्यों शामिल है? मैं मुसलमान का बता रहा हूं उसमें मुसलमान क्यों शामिल होते हैं। "वह इस चाल में क्यों आ रहा है?" अब आपका बीच में से उठा कर किसी ने उसको तोड़-मरोड़ कर पेश किया, "हम ऐसी आईएसआईएस वाली जैसी संगठनें..." यह क्वोट है। मंत्री जी, आप इसको दस दफा सुनिए और तब कमेंट पास कीजिए। तो "ऐसी आईएसआईएस वाली जैसी संगठनें, हम उनका भी उतना ही विरोध करते हैं, जितना आरएसएस का करते हैं।" Where is the comparison? I have not said... *...(Interruptions)...* आप कल प्रिविलेज प्रस्ताव कीजिए। आप प्रिविलेज प्रस्ताव मुझे पार्लियामेंट से निकालने का कीजिए, अगर मैंने यह बताया कि आरएसएस और आईएसआईस एक हैं। That is comparison. I will repeat again for the entire nation. "ऐसी आईएसआईएस वाली जैसी संगठनें हैं, हम उनका भी उतना ही विरोध करते हैं, जैसा आरएसएस का करते हैं। लिहाजा यह मजहब..." ...**(व्यवधान)**... नहीं, नहीं। It is not that. *...(Interruptions)...* It is not that *...(Interruptions)...* चालाकी क्या? ...**(व्यवधान)**... यह सीडी में है। ...**(व्यवधान)**... मैं आपको बता रहा हूं कि सीडी लीजिए। ...**(व्यवधान)**... ये कम्युनिकेशन मंत्री हैं। ...**(व्यवधान)**... मैंने क्यों बताया? मैं इसलिए बता रहा हूं कि ये कम्युनिकेशन मंत्री हैं। अच्छी तरह से आपके लिए डॉकेट बना सकते हैं। "लिहाजा यह मजहब की लड़ाई नहीं है। हमारे बीच भी इस्लाम में, दुनिया में कोई अलग काम करता है, वह आरएसएस से कम नहीं है।" I am talking of कि अगर इस्लाम में भी...। अब इस्लाम में भी आपको तकलीफ होगी? ...**(व्यवधान)**...

†جناب غلام نبی آزاد: اگر اس سی ڈی میں اور جو میں پڑھ رہا ہوں، اگر اس میں کچھ غلط لکھا ہو، تو روی شنکر پرساد جی کل ہمارے خلاف۔۔(مداخلت)۔۔ پلیز، ایک منٹ۔۔(مداخلت)۔۔ آپ کل ہمارے خلاف پری ولیج موشن لے آئیے، اس لیے میں یہ پہلے ہی بتا رہا ہوں، جو اس میں ہے، وہ میں پڑھ رہا ہوں۔ میں پوری اسپیچ نہیں پڑھ رہا ہوں، لیکن مجھے صرف دو صفحے پڑھنے کی اجازت دیجیے، کیوں کہ اگر اگلا صفحہ اور پچھلا صفحہ نہیں پڑھیں گے، تو پھر وہی ٹی وی چینل صرف ایک لائن پڑھ کر پورے ملک میں ابال کھڑا کرتا ہے۔ اس لیے اس سے ایک صفحہ پہلے اور ایک صفحہ بعد میں پڑھنا بہت ضروری ہے۔۔(مداخلت)۔۔ پوری تقریر پڑھنے کے لیے ایک گھنٹہ چاہیے، اس لیے اس کی سی ڈی میں آپ کو دے رہا ہوں۔

"بھائیوں، آج جیسا میں نے شروع میں کہا "اس میں جب آپ 'کا،کی' بولتے ہیں تو تھوڑا غلط ہوجاتا ہے، کہیں پر 'کا' کی جگہ 'کی' لگ جاتا ہے۔ میں اس کا وربیٹم پڑھ رہا ہوں۔ جیسے میں نے وہاں کہا تھا، ویسے ہی اسے لکھنے کی کوشش کی ہے۔"آج جیسا میں نے شروع میں کہا، بہت مشکل دور سے ہم گزر رہے ہیں۔ اور آج کی اس جمیعت العلمائے ہند کی تاریخی کانفرنس کے اس اسٹیج سے میں آپ کو مبارکباد دینا چاہتا ہوں۔ میں ہندستان کے ان ہندو بھائیوں کو، جو چاہے جج ہوں، ریٹائرڈ جج ہوں، پترکار ہوں، ہندی انگریزی یا اردو کے لکھنے والے ہوں، چاہے وہ کچھ چند فلمی ورلڈ چینل ہوں"، میں اپنے لفظوں کو پھر سے دوہراتا

†Transliteration in Urdu script.

[श्री गुलाम नबी आज़ाद]

ہوں، یہاں میں چند لفظ لگارہا ہوں" چند ایسی ویلن کے ایکٹرس ہوں، جن کو سرکار کی طرف سے نکالا جاتا ہے، ایک چینل یا دوسرے چینل سے، کیوں کہ وہ سیکولر اور سیکولرزم کی بات کرتے ہیں۔ میں ان اینکرس کو بدھائی دیتا ہوں، جو اس سرکار کے ہونے کے باوجود بھی لڑائی لڑرہے ہیں اور نوکری سے برخاست ہونا منظور کرتے ہیں، لیکن اپنے راستے کو چھوڑنا نہیں چاہتے ہیں۔ میں ان ہندوبھائیوں کو بھی مبارکباد دیتا ہوں، اختلافات کے بعد جنہوں نے اپنے ایوارڈس واپس کیے ہیں، چاہے ذاتی طور پر آپ کو اور ہمیں ان سے بات کرنے کا موقع نہ ملا ہو، لیکن قومی یکجہتی کے اس اسٹیج سے شاید ان کے اس کام کے لئے کوئی ایسا منچ نہیں ہوسکتا جو ہندستان کے سیکولرزم کے لیے لڑائی لڑرہے ہیں، اگر اس کی ہم سراہنا نہ کریں، تو شاید ہم انصاف نہیں کرسکتے ہیں، وہ بھی ایک طرح کی قربانی دیتے ہیں۔

"میرے بھائیوں، آج ہندو اور مسلمان کی لڑائی ہندستان میں نہیں ہے۔ میں دوہراتا ہوں، میرے بھائیوں، لڑائی آج ہندو اور مسلمان کی لڑائی ہندستان میں نہیں ہے۔ کون کہتا ہے کہ اس ملک میں ہندو اور مسلمان کی لڑائی ہے؟ مولانا، مولانا مدنی، مولانا ارشد مدنی، جو چیئرمین ہیں، ان کی طرف اشارہ کرکے میں نے کہا، مولانا ہمیشہ کہتے ہیں کہ یہ نظریات کی لڑائی ہے۔ نظریات یعنی ideology یہ نظریات کی لڑائی ہے، یعنی ideologyکی لڑائی ہے۔ سوچ کی لڑائی ہے۔ ہم اس بوسیدہ، now I am talking about ideology,ہم اس بوسیدہ سوچ کے خلاف ہیں، وہ ہندو کی بوسیدہ سوچ ہو، سکھ کی بوسیدہ سوچ ہو، یامسلمان کی ہی بوسیدہ سوچ کیوں نہ ہو۔ ہم دیکھتے ہیں مسلمانوں میں بھی، جو مسلمان آج دنیا میں ملکوں کی تباہی اور بربادی کا باعث بنے ہیں، اگر چہ ان کےپیچھے کچھ طاقتور ممالک ہیں، لیکن مسلمان اس میں کیوں شامل ہورہے ہیں؟ مسلمان کیوں؟ میں نے آرایس‌ایس کا نہیں بتایا کہ اس میں کیوں شامل ہے۔ میں مسلمان کا بتا رہا ہوں کہ اس میں مسلمان کیوں شامل ہوتے ہیں۔ وہ اس جال میں کیوں آ رہا ہے؟ اب آپ کا بیچ میں سے اٹھا کر کسی نے اس کو توڑ مروڑ کر پیش کیا "ہم ایسی آئی‌ایس‌آئی‌ایس والی جیسی تنظیموں"— یہ کوٹ ہے۔ منتری جی آپ اس کو دفعہ سنئے اور تب کمینٹ پاس کیجئے، تو ایسی آئی‌ایس‌آئی‌ایس والی جیسی تنظیمیں، ہم ان کا بھی اتنا ہی ورودھ کرتے ہیں، جتنا آرایس‌ایس کا کرتے ہیں۔

Where is the comperison? I have not said... ...*(Interruptions)*... آپ کل پریولیج موشن کیجئے۔

آپ پریولیج موشن مجھے پارلیمنٹ سے نکالنے کا کیجئے کہ اگر میں نے یہ بتایا کہ آرایس‌ایس اور آئی‌ایس‌آئی‌ایس ایک ہیں۔" That is comparison. I will repeat again for the entire nation. ایسی آئی‌ایس‌آئی‌ایس والی جیسی تنظیمیں ہیں ہم ان کی بھی اتنی ہی مخالفت کرتے ہیں، جیسا آرایس‌ایس کی کرتے ہیں لہذا یہ مذہب —(مداخلت)— نہیں، نہیں، It is not that. It is not that. ...*(Interruptions)*...

چالاکی کیا؟ —(مداخلت)— یہ سیدھی میں ہے۔ اس میں چالاکی کیا؟ —(مداخلت)— میں تو آپ کو بتا رہا ہوں کہ سیدھی ایسے —(مداخلت)— یہ کمیونیکیشن منتری ہیں —(مداخلت)— میں نے کیوں بتایا؟ میں اس لئے بتا رہا ہوں کہ یہ کمیونیکیشن منتری ہیں۔ اچھی طرح سے آپ کے لئے ڈائیکٹ بنا سکتے ہیں —(مداخلت)— لہذا یہ مذہب کی لڑائی نہیں ہے۔ ہمارے بیچ بھی اسلام میں، دنیا میں کوئی غلط کام کرتا ہے، وہ آرایس‌ایس سے کم نہیں ہے۔ لٹی ایم ٹاکنگ آف، کہ اگر اسلام میں بھی۔ اب اسلام میں بھی آپ کو تکلیف ہوگی؟ —(مداخلت)—

श्री अनिल माधव दवे (मध्य प्रदेश): सर ...**(व्यवधान)**...

श्री गुलाम नबी आज़ाद: इस्लाम में भी तकलीफ होगी? ...**(व्यवधान)**... इस्लाम में भी आपको तकलीफ है? आपको इस्लाम से कम्पेयर करने में भी तकलीफ है कि अगर इस्लाम में कोई गलत काम करता है, तो उसको आरएसएस से कम्पेयर कर दिया? ...**(व्यवधान)**... रवि जी, आप इतना तो ऊपर हवा नहीं खाइए! ...**(व्यवधान)**... "इसलिए वे हिन्दू फिरकापरस्त हों, मुस्लिम फिरकापरस्त हों, फंडामेंटलिस्ट हों या सिफ फिरकापरस्त हों, हमें सब फिरकापस्तों का मुकाबला करना है, क्योंकि वे दुनिया के लिए और हमारे मुल्क के लिए कैंसर का काम करते हैं।" ...**(व्यवधान)**... "जो इंसान को इंसान से दूर करने की कोशिश करते हैं, नफरत की कोशिश करते हैं, चाहे वह किसी भी धर्म या किसी भी मजहब का हो, उसका हमें एकजुट होकर मुकाबला करना है। इसलिए आज इस नज़रिए को खत्म करने की भी जरूरत है। वे तमाम सेक्युलर ताकतें, जो जद्दोज़हद कर रही हैं, चाहे अखबारात के जरिए या टेलिविजन के जरिए, वे जहां भी हैं, वे हिन्दू, मुसलमान, सिख और ईसाई सब एक हो जाएं। आज लड़ाई फिरकापरस्ती और सेक्युलरिज्म के बीच में है। हमें देखना है कि जीत सेक्युलरिज्म की होती है या फिरकापरस्ती की जीत होती है। इस सेक्युलरिज्म की लड़ाई में आप देखेंगे कि आपको हर मजहब के लोग मिलेंगे, लेकिन फिरकापस्ती की लड़ाई में आपको सब मजहब के लोग नहीं मिलेंगे। हिन्दुस्तान सभी मजहबों का है, जिसका मतलब है कि अक्सरियत हमारे साथ है।" ...**(व्यवधान)**...

جناب غلام نبی آزاد : اسلام میں بھی تکلیف ہوگی؟ ۔(مداخلت)۔ اسلام میں بھی آپ کو تکلیف ہے۔ آپ کو اسلام سے کمپئیر کرنے میں بھی تکلیف ہے کہ اگر اسلام میں کوئی غلط کام کرتا ہے، تو اس کو آرایس‌ایس سے کمپئیر کر دیا؟ ۔(مداخلت)۔ روی جی، آپ اتنا تو اوپر ہوا نہیں کھائیے ۔(مداخلت)۔ "اس لئے وہ ہندو فرقہ پرست ہوں، مسلم فرقہ پرست ہوں، فنڈامینٹلسٹ ہوں یا سکھ فرقہ پرست ہوں، ہمیں سب فرقہ پرستوں کا مقابلہ کرنا ہے، کیوں کہ وہ دنیا کے لئے اور ہمارے ملک کے لئے کینسر کا کام کر رہے ہیں" †۔(مداخلت)۔ "جو انسان کو انسان سے دور کرنے کی کوشش کرتے ہیں، وہ نفرت کی کوشش کرتے ہیں، وہ کسی بھی دھرم یا کسی بھی مذہب کا ہو، اس کا ہمیں ایک‌جٹ ہوکر مقابلہ کرنا ہے۔ اس لئے آج اس نظریے کو ختم کرنے کی بھی ضرورت ہے۔ وہ تمام سیکولر طاقتیں، جو جدوجہد کر رہی ہیں، چاہے اخبارات کے ذریعے یا ٹیلی ویژن کے ذریعے، جہاں بھی وہ ہیں، وہ ہندو، مسلمان، سکھ اور عیسائی سب ایک ہو جائیں۔ آج لڑائی فرقہ پرستی اور سیکولرزم کے بیچ میں ہے۔ ہمیں دیکھنا ہے کہ جیت سیکولرزم کی ہوتی ہے یا فرقہ پرستی کی جیت ہوتی ہے۔ اس سیکولرزم کی لڑائی میں آپ دیکھیں گے کہ آپ کو ہر مذہب کے لوگ ملیں گے، لیکن فرقہ پرستی کی لڑائی میں آپ کو سب مذہب کے لوگ نہیں ملیں گے۔ ہندوستان سبھی مذہبوں کا ہے، جس کا مطلب ہے کہ اکثریت ہمارے ساتھ ہے ۔(مداخلت)۔

श्री उपसभापति: हो गया। ...(व्यवधान)...

श्री गुलाम नबी आज़ाद: "जिस नजरिए के साथ सब मजहब के लोग हैं, वही मेजॉरिटी है, उसी की जीत है।" ...**(समय की घंटी)**... अब मुझे बताइए कि यहां क्या है? ...**(व्यवधान)**... अब आप बताइए। ...**(व्यवधान)**...

[श्री गुलाम नबी आज़ाद]

جناب غلام نبی آزاد : جس نظریے کے ساتھ سب مذہب کے لوگ ہیں وہی مجبوری ہے۔ اس کی جیت ہے ۔(وقت کی گھنٹی)۔ اب مجھے بتائیے کہ یہاں کیا ہیں؟ ۔(مداخلت)۔ اب آپ بتائیے ۔(مداخلت)۔

सभा के नेता (श्री अरुण जेटली): माननीय डिप्टी चेयरमैन साहब, मैं ज़ाती तौर पर नेता विरोधी दल, आज़ाद साहब की हमेशा इज्ज़त करता रहा हूं। जब वे सदन में बोलते हैं और बाहर भी बोलते हैं, तो एक तहज़ीब, जिसकी अपेक्षा होती है, उनसे हमेशा मिलती है। मुझे लगता है कि उनको एक बार सोचना चाहिए कि जाने-अनजाने में इस बार कुछ फिसले हैं। ...**(व्यवधान)**... आईएसआईएस क्या है, इसकी स्पष्ट कल्पना सबको है। आज पूरी दुनिया में विश्व शांति में सबसे बड़ा खतरा अगर कोई संगठन बना है, जो दुनिया में अराजकता फैला रहा है, तो वह आईएसआईएस है। एयरक्राफ्ट्स, मिसाइल्स, टैंक्स, जिनके दस्तावेज छपते हैं कि दूसरे मजहब में विश्वास करने वालों के साथ क्या इलाज होना चाहिए, उनकी महिलाओं का बलात्कार कैसे होना चाहिए। उसकी ये फिलॉसिफी उसके दस्तावेज हैं और उसकी तुलना करना कि it is like any other organisation... it is like any other organization, मुझे लगता है कि आपने जाने-अनजाने में इस बयान से आईएसआईएस को respectability दी है, जिससे आपको बचना चाहिए था। ...**(व्यवधान)**...

श्री गुलाम नबी आज़ाद: यह गलत है। आप लोगों ने इलेक्शन के लिए ...**(व्यवधान)**... बीजेपी का हमेंशा यह फंडा रहता है कि ...**(व्यवधान)**...

†قائد حزب اختلاف (جناب غلام نبی آزاد): یہ غلط ہے آپ لوگوں نے الیکشن کے لیے ۔(مداخلت)۔ بی جے پی کا ہمیشہ یہ فنڈا رہتا ہے کہ ۔(مداخلت)۔

श्री मुख़्तार अब्बास नक़वी: आपको सफाई देने की जरूरत नहीं है। ...**(व्यवधान)**... अगर जाने-अनजाने में ...**(व्यवधान)**... माफी माँग लें, इश्यू क्लोज़ हो जाता है। ...**(व्यवधान)**...

प्रो. राम गोपाल यादव: सर, नरेश अग्रवाल जी ने रूल 267 के अंतर्गत एक नोटिस दिया था कि कल आरएसएस की तरफ से आरक्षण को समाप्त करने के लिए एक सुझाव दिया गया है।

श्री उपसभापति: उसके बारे में मिनिस्टर ने बताया है।

प्रो. राम गोपाल यादव: यह आरक्षण को समाप्त करने की साजिश है। इसकी प्रक्रिया...

श्री उपसभापति: ऐसा कोई अटेम्प्ट नहीं है, ऐसा बोला गया है। ...**(व्यवधान)**...

प्रो. राम गोपाल यादव: यह नेता सदन कह दें, हम बैठ जाएंगे।

श्री अरुण जेटली: राम गोपाल जी, आप इसकी चिन्ता मत कीजिए। सरकार की स्पष्ट नीति है कि आरक्षण की मौजूदा व्यवस्था बनी रहेगी, हर हालत में बनी रहेगी। आप जिस प्रस्ताव का ज़िक्र कर रहे हैं, उसमें भी वह नहीं कहा गया है जो आप कहने का प्रयास कर रहे हैं। ...**(व्यवधान)**...

†Transliteration in Urdu script.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It is clear.

सुश्री मायावती: माननीय उपसभापति जी ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: मायावती जी, मंत्री जी ने आश्वासन दिया है। ...**(व्यवधान)**...

सुश्री मायावती: माननीय उपसभापति जी, मैं माननीय नेता सदन को याद दिलाना चाहती हूं। इनको भारतीय संविधान के बारे में अच्छी-खासी जानकारी है। भारतीय संविधान में यह स्पष्ट है कि इस देश में जो एससी, एसटी, ओबीसी और वीकर सेक्शन के लोग हैं, उनको आरक्षण की सुविधा मिलेगी। भारतीय संविधान में उसके तीन क्राइटीरिया हैं - जो शैक्षणिक रूप से पिछड़े हों, सामाजिक रूप से पिछड़े हों और आर्थिक रूप से पिछड़े हों। संविधान में ये तीन क्राइटीरिया रखे गए हैं, जिनके आधार पर आरक्षण की व्यवस्था की गई है, लेकिन दुःख की बात यह है कि आए दिन आरएसएस के लोगों के ऐसे बयान आ रहे हैं कि इसका आधार आर्थिक होना चाहिए, सामाजिक नहीं होना चाहिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: इसका जवाब मंत्री जी ने दे दिया है। ...**(व्यवधान)**... It is clear. No problem. ...*(Interruptions)*...

श्री अरुण जेटली: हमने कहा कि ऐसा नहीं होगा। ...**(व्यवधान)**... ऐसा किसी ने नहीं कहा। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The Government has made it clear. ...*(Interruptions)*...

सुश्री मायावती: सर, मैं यह कहना चाहती हूं कि यह अच्छी बात है कि नेता सदन ने स्पष्ट किया है कि आरक्षण के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं की जाएगी, लेकिन नेता सदन से मेरा यह भी कहना है कि आरएसएस, जो कि इनका सहयोगी संगठन है और वह आए दिन इस किस्म की बयानबाजी करता रहता है कि जो आरक्षण की व्यवस्था है, उसका आधार सामाजिक न होकर आर्थिक होना चाहिए ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: यह दूसी बात है। सरकार ने आश्वासन दिया है। The Government has made the policy very clear. ...*(Interruptions)*... That is okay. ...*(Time-bell rings)*... No problem; the Government is very clear. The policy is very clear.

सुश्री मायावती: सर, मैं समझती हूं कि सरकार को आरएसएस, जो कि इनका सहयोगी संगठन है, वह जो इस किस्म की बयानबाज़ी कर रहा है, उनको भारतीय संविधान के बारे में बताया जाना चाहिए। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now I am going to Zero Hour. Kumari Selja. ...*(Interruptions)*... Kumari Selja. ...*(Interruptions)*...

सुश्री मायावती: अगर आप उनको यह बता देते हैं, तो फिर इस किस्म की बयानबाजी देना वे बन्द कर देंगे। उनको यह बताना बहुत जरूरी है। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापतिः ठीक है, हो गया। Kumari Selja. ...*(Interruptions)*...

श्री प्रमोद तिवारी (उत्तर प्रदेश): सर, विजय माल्या ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Kumari Selja. ...*(Interruptions)*... Only Kumari Selja's will go on record. Nothing else will go on record. ...*(Interruptions)*...

कुमारी शैलजा (हरियाणा) : सर, ...(व्यवधान)...

SHRI PRAMOD TIWARI: Sir, I have a point of order. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I told you, your notice is not accepted by the hon. Chairman. So, please sit down. Kumari Selja. ...*(Interruptions)*... I am not allowing you, Shri Tiwari. ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAMOD TIWARI: Sir, I have a point of order. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Why are you disturbing your own Member, Tiwariji? ...*(Interruptions)*... Tiwariji, I told you ...*(Interruptions)*... Shri Punia, you are not controlling the Chair. ...*(Interruptions)*... Shri Punia, do you want to come here and control the Chair? Then you come here. ...*(Interruptions)*... Sit down. Shri Tiwari, I have already told you that the hon. Chairman has not admitted your notice under Rule 267. Therefore, you are not permitted. Sit down. Kumari Selja. ...*(Interruptions)*... Only what Kumari Selja speaks will go on record. ...*(Interruptions)*... I have told you that ...*(Interruptions)*... Tiwariji, I have told you that ...*(Interruptions)*... Mr. Punia, do you want to come here and control the House? ...*(Interruptions)*... Come here. ...*(Interruptions)*... Then sit down. ...*(Interruptions)*... Mr. Tiwari, I have already told you that hon. Chairman has not admitted your notice under rule 267.

Therefore, you are not permitted. Please sit down. ...*(Interruptions)*... Seljaji, you please speak. ...*(Interruptions)*... No; no. I am not allowing anybody else. ...*(Interruptions)*... Seljaji, you may speak. ...*(Interruptions)*... Only what Kumari Selja says will go on record. ...*(Interruptions)*... I have given time to Seljaji ...*(Interruptions)*... Only that will go on record. ...*(Interruptions)*...

कुमारी शैलजाः महोदय, मैं ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: First of all, you all obey the Chair. ...*(Interruptions)*... Sit down all of you. ...*(Interruptions)*... I have called Seljaji. Let her speak. After that, I will call you.